उपराष्ट्रपति, भारत

संदेश

देश के प्रथम फील्ड मार्शल एस. एच. एफ. जे. मानिकशॉ, मिलिट्री क्रॉस, के निधन का समाचार सुनकर बहुत दुख हुआ।

देश के सशस्त्र बलों में अपने लम्बे व उत्कृष्ट सैन्य-जीवन में फील्ड मार्शल मानिकशॉ ने तमाम मुश्किलों के बावजूद देश की रक्षा में अपना चिरस्थायी योगदान दिया। 1971 की लड़ाई में उनके नेतृत्व एवं साहस की झलक साफ दिखाई दी। एक सैनिक और फील्ड मार्शल के रूप में, वह रक्षा बलों के सदस्यों और प्रत्येक नागरिक के लिए हमेशा एक प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। देश के लिए उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जाएगा।

मैं उनके शोकसंतप्त परिवार के सदस्यों, प्रशंसकों और बड़ी संख्या में उनके मित्रों को अपनी हार्दिक संवेदनाएं प्रेषित करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उन्हें इस क्षति को सहन करने की शक्ति तथा धैर्य प्रदान करे।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली
27 जून, 2008